गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
अ.प्रा. राजपत्रित अधिकारी
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की-247667 (उत्तराखण्ड)
मोबाइल : 09760111555

शुद्ध होरा काल का अमल है - समस्या का हल

नित्य के अनेक प्रमुख कार्य प्रारम्भ करने के लिए मुर्हूत निकालने के विपरीत होरा का प्रयोग सरल होने के कारण कोई भी व्यक्ति इसकी सहायता लेना अधिक पसंद करेगा। होरा का ज्ञान थोड़े से अभ्यास के बाद हो जाता है। परन्तु मुहूर्त चयन करने के लिए अधिकांश लोग ज्योतिषिय गणनाओं से बचना चाहते हैं। किसी अन्य से पूछने में कुछ तो आलस्यवश तथा कुछ संकोचवश वह किसी शुभ घड़ी को ज्ञात करने में रुचि नहीं दिखाते।

विभिन्न होराओं के अनुसार कार्य करने से उसके सिद्ध होने की दर निश्चित रुप से बढ़ जाती है। इसलिए इसका संक्षिप्त ज्ञान आवश्यक हो जाता है। इस अध्याय को

पढ़ने के बाद शुभ समय का चयन करने में पाठकों को किसी अन्य पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। होरा शब्द वास्तव में अंग्रेजी के 'HOUR' शब्द से बना है जिसका अर्थ है घंटा। दिन का प्रत्येक घंटा एक ग्रह विशेष से नियंत्रित होता है। ये ग्रह है – सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र और शनि। दो अन्य छाया ग्रहों राहु तथा केतु को यहॉ स्थान नहीं दिया गया है।

होरा ज्ञात करने के लिए सर्वप्रथम उस स्थान का सूर्योदय समय आवश्यक होता है, जहॉ आप रहते हैं। सूर्योदय का स्थानीय समय किसी भी उपलब्ध पंचाग से पता चल जाता है। समाचार पत्रों में भी अधिकांशतः सूर्योदय का समय दिया होता है। सूर्योदय समय से होराओं की गणना प्रारंभ होती है। सूर्योदय से पहली होरा सदा उस दिन से संबंधित ग्रह की होती है। इसके बाद एक निश्चित क्रम में अन्य ग्रहों की होराएं क्रमशः आती रहती हैं। किसी ग्रह के बाद किस अन्य ग्रह की होरा आयेगी, यह इस सारणी से स्पष्ट हो जाएगा। प्रत्येक होरा की अवधि एक घंटा निश्चित है।

दिन	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
रविवार	सूर्य सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श
सोमवार	चंद्र चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू
मंगलवार	मंगल मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं
बुधवार	बुध बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं
गुरुवार	गुरु गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु
शुक्रवार	शुक्र शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु
शनिवार	शनि श	गु	मं	सू	शु	बु	चं	श	गु	मं	सू	शु

होरा की गणना को अधिक स्पष्ट करने के लिए हम कोई भी दिन, माना रविवार को घटने वाली होराओं का क्रम समझ लेते हैं। सर्वप्रथम उस रविवार को सूर्योदय समय हम ज्ञात कर लेंगे जिस दिन की होराओं को हमें निकालना है। सूर्योदय, माना उस दिन 6 बज कर 5 मिनिट पर होना है। अब पहली होरा उस दिन से संबंधित ग्रह सूर्य की होगी। यह होरा 1 घंटा अर्थात् 7 बज कर 5 मिनिट तक चलेगी। दूसरी होरा रविवार से अन्य दिनों के क्रमशः छः गिनने पर आने वाले दिन से संबंधित ग्रह की होगी। सूर्य से छः गिनने पर शुक्र आया। तीसरी होरा अब शुक्र से पुनः छः गिनने पर आने वाले दिन अर्थात् बुध की होगी। चौथी होरा बुध से पुनः छः गिनने वाले ग्रह अर्थात चंद्र की होगी इसी प्रकार होराओं क्रम आता रहेगा। सुविधा के लिए सूर्य, शुक्र, बुध, चंद्र, शनि, गुरु, मंगल ग्रहों का यह क्रम याद कर लें। एक ग्रह की होरा इसी क्रम में आएगी। दी गई सारणी से यह स्पष्ट है।

एक अन्य उदाहरण से होरा ज्ञात करना और भी सरल हो जाएगा। माना रविवार को अपने किसी कार्य को करने के लिए आपको चंद्र की होरा निकालनी है। अब सर्वप्रथम आप रविवार के सूर्योदय का समय पता कर लेंगे। उस समय से एक घंटे तक रवि की होरा रहेगी। माना यह समय 7 बज कर 7 मिनिट है। दूसरी होरा 8 बज कर 7 मिनिट तक शुक्र की होगी। तीसरी होरा 8 बज कर 8 मिनिट से 9 बज कर 7 मिनिट तक बुध की होगी। इससे आगे क्रम में चंद्र आता है। इस होरा का समय इस प्रकार 9 बज कर 8 मिनिट से 10 बज कर 7 मिनिट तक होगा। इस एक घंटे में आप चंद्र से संबंधित कार्य कर सकते हैं।

होरा ज्ञात करने की यह बहुत छोटी सी विधि है। ये बताने के पीछे आपकी रुचि जाग्रत करना ही मूल उददेश्य था। होरा को थोड़ा अधिक सूक्ष्मता से देखते हैं। सूर्योदय के साथ-साथ संबंधित दिन का सूर्यास्त समय भी ज्ञात कर लें। ये दोनों समय भारत के स्टैंडर्ड समय (घड़ी वाला समय) न होकर उस शहर का स्थानीय समय होना चाहिए। इनके लिए आपको पंचाग की आवश्यकता पड़ेगी। सूर्यास्त तथा सूर्योदय के स्थानीय समयों के अंतर लेने से उस दिन की लंबाई पता चल जाएगी। इस अंतर को यदि 12 से भाग दे दें तो इस अंतर के बराबर-बराबर 12 भाग हो जाएंगे। जो क्रमानुसार 12 होराओं का समय दर्शायेंगे। सूर्यास्त से सूर्योदय तक रात्रिकाल को इसी प्रकार 12 से विभाजित करके रात की होराओं को ज्ञात किया जा सकता है।

निम्नलिखित उदाहरण से यह बिल्कुल स्पष्ट हो जाएगा। माना, किसी बुधवार को 4 बजकर 39 मिनिट और 52 सैकिण्ड पर सूर्योदय तथा 7 बजकर 20 मिनिट और 8 सैकिण्ड (दोनों स्थानीय समय) पर सूर्यास्त होना है।

सूर्यास्त	19-20-8	घंटे
सूर्योदय	4-39-52	घंटे
अन्तर	14-40-16	घंटे

इसका अर्थ हुआ उस दिन 14 घंटे, 40 मिनिट, 16 सैकिण्ड दिन की कुल लम्बाई होगी। इसको 12 से भाग किया = 14 घंटे, 40 मिनिट, 16 सैकिण्ड ÷ 12 = 1 घंटे, 13 मिनिट, 21 सैकिण्ड

अर्थात् दिन की एक होरा की अवधि 1 घंटे, 13 मिनिट, 21 सैकिण्ड होगी। इस मान को सूर्योदय में जोड़ने में जोड़ने से बुध की होरा का काल ज्ञात हो जाएगा। इतना ही समय उत्तरोत्तर जोड़ते जाने पर बारह होराओं की समयावधि प्राप्त हो जाएगी। यथा-

क्र.सं.	होरा	घं. मि. सै.	होरावधि	घं. मि. सै.
1.	बुध	4-39-52	+1-13-21	=05-53-13 (प्रातः)
2.	चंद्र	5-53-13	+1-13-21	=07-06-34
3.	शनि	7-06-34	+1-13-21	=08-19-55
4.	गुरु	8-19-55	+1-13-21	=09-33-16
5.	मंगल	9-33-16	+1-13-21	=10-46-37
6.	सूर्य	10-46-37	+1-13-21	=11-59-58
7.	शुक्र	11-59-58	+1-13-21	=01-13-19 (मध्यान्य)
8.	बुध	01-13-19	+1-13-21	=02-26-40
9.	चंद्र	02-26-40	+1-13-21	=03-40-1
10.	शनि	03-40-01	+1-13-21	=04-53-22
11.	गुरु	04-53-22	+1-13-21	=06-6-43
12.	मंगल	06-06-43	+1-13-21	=07-20-4 (रात्रि प्रारम्भ)

बुध की होरा प्रातः सूर्योदय से 5 बजकर, 53 मिनिट, 13 सैकिण्ड तक चलेगी। इसके बाद क्रमशः चन्द्र, शनि, गुरु आदि की होराएं होरावधि के हिसाब से 7 बजकर, 6 मिनिट, 34 सैकिण्ड, 8 बजकर, 19 मिनिट और 55 सैकिण्ड, 9 बजकर, 33 मिनिट, 16 सैकिण्ड आदि समयों तक चलेंगी।

रात्रि काल की होराएं निकालने के लिए सूर्योदय से सूर्यास्त तक (रात्रि) का मान निकालना पड़ेगा।

इन उदाहरणों, ग्रहों के क्रम तथा सारिणी से किसी भी दिन की इच्छित होराओं को निकालना आपके लिए सरल हो गया होगा। हमारे कार्य के लिए इतना ही पर्याप्त है। यही होराएं विभिन्न उपायों के लिए चुननी हैं। इसके विपरीत दैनिक जीवन के अन्य कार्य भी आप इनके अनुरुप देखकर कर सकते हैं। किस ग्रह की होरा में क्या करें -

सूर्य की होरा में -

मित्रता, कार्यालय में प्रार्थना पत्र, किसी कार्य का पंजीकरण, उच्चधिकारियों से साक्षात्कार, पत्रकारिता, किसी आवश्यक पत्र पर हस्ताक्षर, नौकरी का प्रारम्भ, लम्बी यात्रा का श्री गणेश, समस्त धार्मिक कार्य, धन का लेन-देने तथा सट्टा आदि।

चन्द्र की होरा में -

स्त्रियों से संबंधित विषय, जल अथवा वायु यात्रा, पेड़-पौधे, खोज अथवा शोध कार्य, किसी नए कार्य का प्रारम्भ, आवश्यक पत्र, डॉक्टर की सलाह, दवा का प्रारम्भ करना, साक्षात्कार तथा प्रार्थना आदि।

मंगल की होरा में -

लम्बी यात्रा, न्याय सम्बन्धी, विवाह प्रस्ताव, जोखिम से भरे समस्त कार्य, विपरीत लिंग से साक्षात्कार, लेन-देने, खेत तथा भूमि सम्बन्धी कार्य तथा मोल-भाव करना आदि।

बुध की होरा में -

साहित्यिक कार्य, पत्रकारिता, मित्रता, बौद्धिक कार्य, व्यापार अथवा नौकरी के लिए साक्षात्कार, भाषण तैयार करना, मकान दुकानें आदि की नींव, सट्टा, शल्य चिकित्सा, नलकूप लगाना तथा मकान प्रारम्भ करवाना आदि।

गुरु की होरा में -

वाणिज्य-व्यापार कर्म, धन का लेन-देन, उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य, बैंक सम्बन्धी कार्य, उच्च अधिकारियों अथवा बड़े लोगों से मिलना अथवा उनसे मित्रता, ऋण, प्रार्थना तथा समस्त धार्मिक कर्म, जमीन, घर आदि का क्रय-विक्रय, सुरक्षा के उपाय तथा वस्तुओं का संचय आदि।

शुक्र की होरा में -

प्रत्येक कार्य के लिए शुभ, व्यापार, सट्टा, प्यार, विवाह प्रस्ताव, यात्रा, आवश्यक समझौते, किसी बात की किसी से सलाह लेना, साहित्यिक कार्य, ललित कलाओं का शुभारम्भ, क्रय-विक्रय तथा रुपयों का लेन-देने आदि।

शनि की होरा में -

यह व्यवहारिक कार्यों के लिए शुभ नहीं मानी गयी है। जहॉ तक हो, अपने नित्य कर्मों में इसका उपयोग न करें। हॉ, तंत्र में इसका विशेष फल है। अनेकों उपायों के लिए मैंने शनि की होराओं को चुना है।

गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
(राजपत्रित अधिकारी) अ.प्रा.
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की 247667 (उ.ख.)
फोन : (01332) 274370
मोः 09760111555
website : www.astrotantra4u.com
E-mail:gopalraju12@yahoo.com